रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 18 नवम्बर, 2026

वर्ष 02 | अंक 273 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

क्वॉड सम्मेलन से भारत को क्या मिलेगा?

मोदी रवाना, हिंद-प्रशांत से लेकर चीन और समुद्री सुरक्षा तक कई मुद्दों पर भारत अपने रणनीतिक हित साधने की कोशिश करेगा



रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्वॉड सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो गए हैं। भारत के लिए यह बैठक केवल कूटनीतिक मुलाकात नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने रणनीतिक और आर्थिक हित मजबूत करने का अवसर भी है। क्वॉड में भारत के साथ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

बैठक में समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दे प्रमुख रह सकते हैं। भारत के लिए सबसे अहम चुनौती चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच रणनीतिक संतुलन बनाए रखना है। नई दिल्ली क्वॉड के जरिए हिंद-प्रशांत में अपनी भूमिका मजबूत कर सकता है, लेकिन साथ ही रूस, अमेरिका और दूसरे साझेदारों के साथ अपने स्वतंत्र संबंधों को भी संतुलित रखना होगा। इसके अलावा महत्वपूर्ण खनिज, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग भारत की आर्थिक जरूरतों के लिए अहम हो सकता है। ऐसे में क्वॉड बैठक भारत के लिए सुरक्षा के साथ कारोबार और तकनीकी साझेदारी का भी बड़ा मंच है।

दिल्ली में यमुना की सफाई को लेकर घमासान

राजधानी दिल्ली में छठ महापर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता (Rekha Gupta) ने भी यमुना घाट पहुंचकर छठ पूजा में हिस्सा लिया और श्रद्धालुओं के साथ पर्व मनाया। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने यमुना की सफाई को लेकर एक वीडियो जारी कर दिल्ली सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। बीजेपी की दिल्ली इकाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, "दिल्ली में इस बार भव्य और दिव्य छठ मना। मात्र 2 साल के अंदर दिल्ली की यमुना को आधे से ज्यादा साफ करके सरकार ने उसमें धूमधाम से महापर्व मनाया।" पार्टी ने वीडियो के जरिए दावा किया कि इस बार यमुना में पहले की तुलना में सफाई की स्थिति बेहतर रही और छठ महापर्व का आयोजन भव्य तरीके से किया गया।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना के तट पर आयोजित छठ पूजा में हिस्सा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ पूजा-अर्चना की और पर्व के आयोजन को लेकर खुशी जताई। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा समितियों, श्रद्धालुओं और आयोजन में योगदान देने वाले लोगों का आभार भी व्यक्त किया।

दशकों का इंतजार खत्म करने आ सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी,

टीही-धार रेलखंड को CRS की हरी झंडी

पीथमपुर। इंदौर-दाहोद रेल परियोजना को एक बड़ी उपलब्धि मिली है। परियोजना के तहत टीही से धार तक 47.14 किलोमीटर लंबे रेलखंड पर नियमित यात्री और मालगाड़ी संचालन का रास्ता साफ हो गया है। रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने विस्तृत निरीक्षण और तकनीकी परीक्षण के बाद इस रेलखंड पर ट्रेन संचालन को मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के साथ ही लंबे समय से रेल सुविधा का इंतजार कर रहे इंदौर, धार और पीथमपुर क्षेत्र के लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। अब क्षेत्रवासियों को नियमित ट्रेन सेवा शुरू होने और परियोजना के औपचारिक लोकार्पण का इंतजार है। इस रेल परियोजना को लेकर दिसंबर का महीना महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर के संकेतों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिसंबर में इंदौर-दाहोद रेल परियोजना का शुभारंभ कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक कार्यक्रम की आधिकारिक तारीख घोषित नहीं हुई है और न ही प्रधानमंत्री के दौरे की अंतिम पुष्टि हुई है। ऐसे में रेलवे और प्रशासनिक स्तर पर कार्यक्रम को लेकर तैयारियों तथा संभावित तारीख पर नजर बनी हुई है।



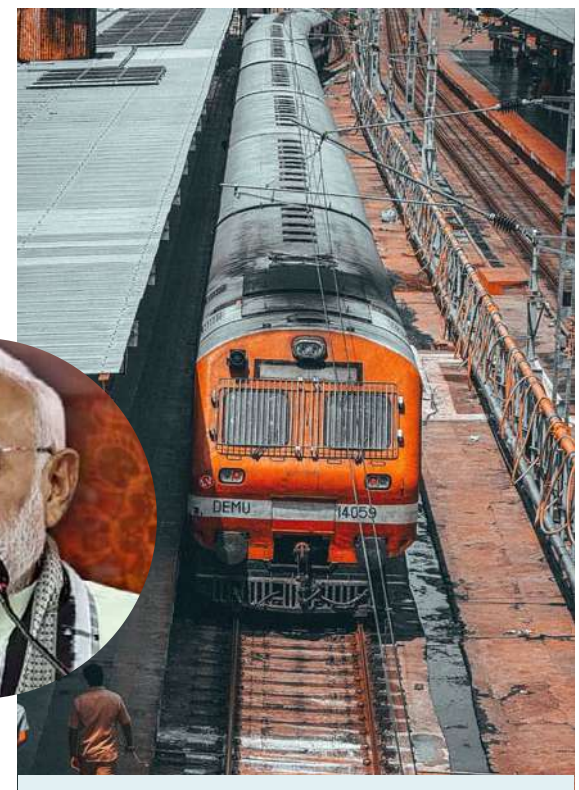

टीही से धार तक तैयार किए गए 47.14 किलोमीटर लंबे रेलखंड पर ट्रेनों के संचालन के लिए अलग-अलग हिस्सों में गति सीमा निर्धारित की गई है। मुख्य रेल ट्रैक पर यात्री और मालगाड़ियां अधिकतम 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेंगी। वहीं, टीही टनल के भीतर सुरक्षा और तकनीकी मानकों को ध्यान में रखते हुए अधिकतम गति 80 किलोमीटर प्रति घंटे तय की गई है। इसके अलावा लूप लाइन पर ट्रेनों की गति 15 किलोमीटर प्रति घंटे निर्धारित रहेगी। इन गति सीमाओं के आधार पर रेल संचालन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की व्यवस्था की गई है।

नियमित यात्री ट्रेन सेवा शुरू होने से धार और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को इंदौर आने-जाने के लिए एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा

विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग, व्यापारी और रोजमर्रा के कामों से यात्रा करने वाले नागरिक इससे लाभान्वित हो सकते हैं। इंदौर-दाहोद रेल परियोजना को वर्ष 2005 में मंजूरी मिली थी। वर्ष 2008 में भूमिपूजन हुआ और निर्माण कार्य शुरू किया गया। अब टीही से धार तक के रेलखंड को सीआरएस की मंजूरी मिलना इस लंबे सफर का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

सपा-कांग्रेस में सीटों पर आज मंथन

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर आज नई दिल्ली में औपचारिक बातचीत शुरू होगी। कांग्रेस ने इस प्रक्रिया के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। कांग्रेस की ओर से उत्तर प्रदेश में 181 सीटों की मांग रखी गई है। अब बातचीत में दोनों दल अपने-अपने दावे और जमीनी स्थिति सामने रखेंगे। सीटों का बंटवारा विपक्षी गठबंधन के लिए अहम मुद्दा बन गया है। बैठक में किन सीटों पर किस दल की मजबूत स्थिति है, उम्मीदवारों की संभावित जीत और स्थानीय राजनीतिक समीकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। अब देखना होगा कि कांग्रेस के 181 सीटों के दावे पर सपा का रुख क्या रहता है और दोनों दल किसी सहमति तक कितनी जल्दी पहुंचते हैं।



आगामी चुनाव में गठबंधन की रणनीति काफी हद तक इसी सीट बंटवारे पर निर्भर करेगी।

मिनी स्टेडियम में सजेगी पटपर झांकी,

मां शीतला परिवार ने किया धर्म प्रेमियों को आमंत्रित

छुरा। नगर में धार्मिक आस्था और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। मां शीतला परिवार छुरा नगर के तत्वावधान आज रात्रि 8 बजे मिनी स्टेडियम छुरा में भव्य पटपर झांकी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। अपनी खास शैली, आकर्षक प्रस्तुति और अनूठे अंदाज के लिए प्रसिद्ध पटपर झांकी को लेकर आयोजक टीम में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम को लेकर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजक टीम के सदस्य संदीप सोनी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि पटपर झांकी अपनी विशिष्ट प्रस्तुति और खास अंदाज के कारण क्षेत्र में अलग पहचान रखती है। इस कार्यक्रम में दर्शकों को मनोरंजन के साथ आकर्षक झांकियों और विशेष प्रस्तुतियों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। आयोजक टीम द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।उन्होंने बताया कि मां शीतला परिवार द्वारा आयोजित इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं और दर्शकों की उपस्थिति अपेक्षित है। आयोजक टीम ने नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने तथा कलाकारों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

बाबा खाटू श्याम जी का जन्मोत्सव

शिवपुरी में बाबा श्याम के जन्मोत्सव की धूम,

देवउठनी एकादशी पर निकलेगी भव्य निशान यात्रा

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर 20 नवंबर को शहर में बाबा खाटू श्याम जी का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। इसको लेकर गुना बाईपास स्थित प्राचीन मार चिंतापूर्ण खाटू श्याम जी मंदिर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य निशान यात्रा, संकीर्तन, भजन संध्या, महाआरती और विशाल भंडारे सहित कई धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। जन्मोत्सव के तहत भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो मां रायश्री दरबार से प्रारंभ



होकर अस्पताल चौराहा, कोर्ट रोड और माधव चौक होते हुए गुना बाईपास स्थित खाटू श्याम जी मंदिर पहुंचेगी। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा श्याम का निशान लेकर शामिल होंगे और जय श्री श्याम के जयकारों से शहर का वातावरण भक्तिमय होगा। निशान यात्रा के मंदिर पहुंचने पर बाबा श्याम की महाआरती की जाएगी। इसके पश्चात ग्वालियर सहित अन्य स्थानों से आने वाले भजन कलाकारों द्वारा भव्य भजन संध्या एवं संकीर्तन की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं, पूरे दिन श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी एवं भंडारे की व्यवस्था रहेगी। इस धार्मिक आयोजन में शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाएं भी सहयोग करेंगी। मंदिर के महाराज प्रशांत शर्मा ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्याम भक्तों से आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने श्रद्धालुओं से बाबा श्याम के जन्मोत्सव में सहभागी बनकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है। देवउठनी एकादशी पर आयोजित होने वाला यह उत्सव शिवपुरी में भक्ति, आस्था और उत्साह का विशेष संगम बनेगा।

दिवंगत प्रधान आरक्षक के बेटे को मिली अनुकंपा नियुक्ति,

पुलिस कमिश्नर ने सौंपा नियुक्ति पत्र

पिता की पुलिस सेवा को आगे बढ़ाएंगे आकाश धाकड़, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने उज्ज्वल भविष्य की दी शुभकामनाएं

इंदौर। दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। इसी क्रम में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा स्वर्गीय प्रधान आरक्षक महेशचंद्र धाकड़ के सुपुत्र आकाश धाकड़ को आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है। स्वर्गीय महेशचंद्र धाकड़ इंदौर नगरीय पुलिस में प्रधान आरक्षक क्रमांक 430 के पद पर पदस्थ थे। सेवाकाल के दौरान उनके निधन के बाद परिवार को सहारा देने के उद्देश्य से उनके पुत्र आकाश धाकड़, निवासी झूमरघाट, पुलिस लाइन पिगडंबर, राऊ, इंदौर को निर्धारित प्रक्रिया, मेडिकल परीक्षण एवं आवश्यक सत्यापन पूर्ण होने के बाद आरक्षक पद पर नियुक्त किया गया। इस अवसर पर इंदौर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने नव नियुक्त आरक्षक आकाश धाकड़ को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने आकाश धाकड़



को पूरी ईमानदारी, मेहनत, लगन एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही आमजन की सेवा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस विभाग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा बढ़ाने का संदेश दिया। अनुकंपा नियुक्ति मिलने से दिवंगत प्रधान आरक्षक के परिवार को संबल मिला है। वहीं, आकाश धाकड़ अब पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं देकर अपने पिता की सेवा परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनीं आमजन की समस्याएं, कई आवेदनों का मौके पर समाधान

धर्मेन्द्र गुप्ता

विदिशा। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में विदिशा जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में अधिकारियों ने आम नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, बीपीएल सूची, राशन वितरण, भूमि विवाद और मुआवजे से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर मीना मसराम ने संबंधित विभागों को समय-सीमा में समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में आज मंगलवार को अपर कलेक्टर श्रीमती मीना मसराम, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सुरभि तिवारी तथा विदिशा एसडीएम श्री मनीष कुमार जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न आवेदकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। खरीफाटक निवासी श्री वीरेंद्र जैन ने पान की गुमठी में आगजनी से हुए नुकसान पर मुआवजा दिलाए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम पंचायत बरवाई के श्री पुष्पेंद्र दागी ने आवास प्लस सूची में नाम जोड़कर प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त दिलाने की मांग की। ग्राम सतपाड़ा के श्री राधेश्याम केवट ने बीपीएल सूची में नाम दर्ज कराने तथा नथनपुर के श्री सुनील जाटव ने किसान सम्मान निधि योजना की राशि दिलाए जाने संबंधी आवेदन दिया।

इसी प्रकार ग्राम मोही के श्री राम सिंह बंजारा एवं श्रीमती प्रेम बाई ने वन भूमि पर पट्टा प्रदान करने, जबकि ग्राम बरवाई के श्री लखन सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना की द्वितीय किस्त दिलाने की मांग रखी। विदिशा निवासी श्री असीम शर्मा ने अपनी माता के निधन के उपरांत मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही समस्याओं से अवगत कराया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रखबचंद्र बाबेल की जन्मशताब्दी 22 नवंबर को मनाई जाएगी

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

इंदौर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय श्री रखबचंद्रजी बाबेल की जन्मशताब्दी के अवसर पर 22 नवंबर 2026 को विशेष समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर उनके त्याग, तपस्या, संघर्ष, देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। जानकारी देते हुए सेनानी परिवार के राजेंद्र बाबेल, जितेंद्र बाबेल एवं उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया ने बताया कि स्व. बाबेल की 100वीं जन्म जयंती परिवारजनों एवं स्नेहीजनों के लिए गौरव और भावुकता का विशेष अवसर है। उनका जीवन केवल एक व्यक्ति की जीवन यात्रा नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाली पीढ़ी के त्याग, बलिदान और उ'च आदर्शों की प्रेरणादायी गाथा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान और राष्ट्र के प्रति उनकी निष्ठा आज भी परिवार एवं समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। जन्मशताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप



में इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव उपस्थित रहेंगे। विशेष अतिथि के रूप में कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यनारायण पटेल करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वतंत्रता सैनानी बसंतीलाल पांडे सहित अन्य सैनानी परिवारों को भी सम्मानित किया जाएगा। समारोह का आयोजन 22 नवंबर 2026, रविवार को सुबह 11 बजे नंदनवन रिजॉर्ट, अन्नपूर्णा तालाब के पास, अन्नपूर्णा रोड, इंदौर पर किया जाएगा। आयोजकों ने शहर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संगठनों, मित्रों एवं स्नेहीजनों से समारोह में उपस्थित होकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रखबचंद्रजी बाबेल को श्रद्धासुमन अर्पित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह अवसर उस पीढ़ी के त्याग और बलिदान को स्मरण करने का है, जिसने देश को स्वतंत्रता की अनमोल विरासत सौंपी।

रणजीत टाइम्स

उत्कृष्ट पुलिसिंग करने वाले 15 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर बढ़ाया मनोबल, अक्टूबर माह की रैंकिंग में थाना लसूड़िया रहा प्रथम

इंदौर। शहर में बेहतर पुलिसिंग और आम नागरिकों को प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार, 17 नवंबर को पलासिया स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने पुलिसिंग के विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले 12 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले पुलिसकर्मियों में निरीक्षक नितिन निंगवाल (यातायात थाना), आरक्षक प्रशांत मंडलोई (पुलिस उपायुक्त जोन-01 कार्यालय) एवं आरक्षक आशीष मिश्रा (पुलिस उपायुक्त जोन-04 कार्यालय) शामिल रहे। इन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस के सराहनीय कार्यों को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार उपनिरीक्षक सचिन आर्य एवं आरक्षक कुलदीप गर्कल (थाना कनाड़िया) को उत्तर प्रदेश से अपराध में वांछित शातिर आरोपी को गिरफ्तार करने में सराहनीय भूमिका के लिए



सम्मानित किया गया। प्रधान आरक्षक ब्रजेश सेंगर (थाना कनाड़िया) को प्रकरण में त्वरित विवेचना कर निर्धारित समयावधि में चालान प्रस्तुत करने पर पुरस्कार दिया गया। थाना तुकोगंज के प्रधान आरक्षक देवेंद्र जादौन, प्रधान आरक्षक राजीव यादव एवं आरक्षक राहुल जाट को सड़क दुर्घटना के पुराने हिट एंड रन मामले में अज्ञात वाहन का पता लगाकर आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर सम्मानित किया गया। वहीं, आरक्षक प्रमोद गिल (थाना विजय नगर), आरक्षक अभिषेक सिंह (थाना एमआईजी) एवं



आरक्षक योगेश कुमार (थाना जूनी इंदौर) को साइबर पोर्टल पर बेहतर कार्रवाई एवं सराहनीय योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

अक्टूबर माह की रैंकिंग में थाना लसूड़िया प्रथम

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की मूल्यांकन प्रणाली के विभिन्न मापदंडों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए अक्टूबर माह में थाना लसूड़िया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार यादव, आरक्षक निलेश मल्होत्रा एवं आरक्षक वीरेंद्र कुमार शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पुलिस कमिश्नर ने सभी पुरस्कृत अधिकारी-कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस विभाग में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों का सम्मान उनकी मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा को प्रोत्साहित करने का माध्यम है।

उन्होंने सभी को आगे भी इसी लगन, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते हुए आमजन की सुरक्षा एवं सेवा को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने भी सम्मानित पुलिसकर्मियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

गोपाल अष्टमी पर गौसेवा का संदेश,

गौशाला में उत्साह के साथ मनाया पर्व





छुरा। श्री कुंज बिहारी गौशाला सेवा समिति खुसरूपाली में गोपाल अष्टमी पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गोवर्धन पूजा एवं गौ माता की विधिवत पूजा-अर्चना से किया गया। इसके बाद गौ माता को खिचड़ी खिलाकर सोहई बांधी गई।

कार्यक्रम में समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु, सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष नीलकंठ सिंह ठाकुर, वरिष्ठ नेता रमेश शर्मा ,प्राचार्य कमल कांत यादव एवं कृषि सभापति लेखराज ध्रुवा सहित उपस्थित अतिथियों ने गौ माता के महत्व पर प्रकाश डाला। अतिथियों ने कहा कि गाय कामधेनु का स्वरूप है और गौसेवा से जीवन के चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि एक समय घर में गाय रखना सम्मान और समृद्धि का प्रतीक माना जाता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में लोगों में गौ माता के प्रति संवेदनशीलता कम हुई है। इसका परिणाम है कि आज बड़ी संख्या में गौवंश सड़कों पर दिखाई देता है। इसके लिए केवल शासन-प्रशासन को जिम्मेदार ठहराने के बजाय समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

वक्ताओं ने कहा कि हमारी संस्कृति गाय और गंगा की संस्कृति है, लेकिन धीरे-धीरे हम अपनी परंपराओं और संस्कारों से दूर होते जा रहे हैं, जो चिंता का विषय है। गौ संरक्षण एवं संवर्धन केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है।

सभी को आगे बढ़कर गौसेवा, संरक्षण और संवर्धन में योगदान देना चाहिए, तभी हमारी संस्कृति और परंपराएं सुरक्षित रह सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान श्री कुंज बिहारी गौशाला सेवा समिति की ओर से उपस्थित अतिथियों एवं समाजजनों का पीला चावल लगाकर तथा किसान गमछा भेंट कर सम्मान किया गया। इसके बाद सभी ने एक साथ पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर राजमहल से यशपेंद्र शाह, सर्व आदिवासी समाज के जिला संरक्षक छतर सिंह ठाकुर, नीलकंठ ठाकुर, तोकेश्वरी मांझी, जिला उपाध्यक्ष केसरी ध्रुव, संतोषी यादव, सरोज साहू, रामकुमार यादव, धनमतीयादव ,कन्हैया यादव, पुनीत राम ठाकुर, संतोष सोरी, मिथिलेश सिन्हा, धनेश्वर पटेल, उमेद्र सोरी, हेमंत साहू, फलेन्द्र साहू,अखिलेश्वरी शरण मोहरा डीह, गोपाल ठाकुर बैगा, अजय दीक्षित, मनोज पटेल, हुकुमदेव निषाद, कुमार ध्रुव, टिकेश्वर वर्मा, मानिक साहू, सज्जन शर्मा, राकेश शर्मा, रमेश जायसवाल प्राचार्य चंद्रहास पटेल, प्रोफेसर डी.आर. साहू, डी.पी. सिंह, डॉ. लक्ष्मीकांत सिन्हा, डिगेंद्र ध्रुव, झामन यादव, देवराज साहू, चित्रसेन यदु, मनोज कुमार, शिव ठाकुर, शीतल ध्रुव, यशवंत यादव, नोहर ध्रुव, भोगेंद्र ठाकुर एवं मेष नंदन पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित रहे।

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर-2026 में विदिशा के गौमय उत्पादों की धूम, देशभर के आगंतुकों को कर रहे आकर्षित

धर्मेन्द्र गुप्ता- विदिशा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (IITF-2026) में विदिशा जिले की गौशालाओं में निर्मित गौमय उत्पाद देशभर से आने वाले आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। जिला प्रशासन विदिशा द्वारा जिले की गौशालाओं में तैयार किए जा रहे विभिन्न उपयोगी, आकर्षक एवं पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन के लिए विशेष स्टॉल लगाया गया है। यह स्टॉल 14 नवंबर से 27 नवंबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से विदिशा के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा की जा रही इस पहल का प्रमुख उद्देश्य गौशालाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा गोबर जैसे स्थानीय संसाधन का मूल्य संवर्धन कर उसे आय एवं रोजगार के प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित करना है। इस पहल के माध्यम से गौशालाओं की आर्थिक गतिविधियों को विस्तार देने के साथ उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। पारंपरिक संस्कृति और आधुनिक उपयोगिता का अनूठा संगम इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में लगाए गए स्टॉल पर गौशालाओं में निर्मित गोबर के आकर्षक सजावटी उत्पाद, दीपक, धूपबत्ती, हवन सामग्री, पूजा में उपयोग होने वाली वस्तुएं तथा अन्य हस्तनिर्मित एवं पर्यावरण अनुकूल सामग्री प्रदर्शित की जा रही है। इन उत्पादों में भारतीय परंपरा, स्थानीय कारीगरी और पर्यावरण संरक्षण की भावना का सुंदर समन्वय देखने को मिल रहा है। उत्पादों की विविधता और उनकी उपयोगिता देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंच रहे आगंतुकों का ध्यान आकर्षित कर रही है।गोबर से रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर जिला प्रशासन की इस पहल के माध्यम से गोबर को केवल कृषि एवं पशुपालन से जुड़े उप-उत्पाद तक सीमित न रखते हुए उसके रचनात्मक एवं उपयोगी स्वरूप को विकसित किया जा रहा है।



आत्मसाक्षात्कार से परम चैतन्य के सान्निध्य तक की सहज यात्रा

मनुष्य जीवन की सबसे बड़ी खोज क्या है? सुख, सफलता, धन-संपत्ति या फिर मन की शांति? यदि हम अपने अंतर्मन में झांककर देखें तो पाएंगे कि हमारी वास्तविक तलाश इन सबसे कहीं आगे है। हम ऐसी शांति चाहते हैं जो परिस्थितियों पर निर्भर न हो, ऐसा आनंद चाहते हैं जो बाहरी सुख-सुविधाओं से न मिले और ऐसा आत्मिक संतोष चाहते हैं जो जीवन के प्रत्येक क्षण को सार्थक बना दे। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में इस अनुभूति का मार्ग आत्मसाक्षात्कार कहलाता है। प्रश्न उठता है कि क्या परमात्मा को केवल मंदिरों में खोजा जा सकता है? क्या ईश्वर की अनुभूति हमारे भीतर भी संभव है? सहजयोग का उत्तर है—हां! परमात्मा द्वारा प्रदत्त आध्यात्मिक शक्ति हमारे भीतर विद्यमान है, जिसे जागृत करने की प्रक्रिया आत्मसाक्षात्कार है। सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने वर्ष 1970 में सहजयोग के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने की एक सरल और सहज विधि जनसामान्य तक पहुंचाई। सहजयोग ध्यान पद्धति में प्रत्येक मनुष्य के भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति के जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार का अनुभव प्राप्त किया जाता है। कुंडलिनी शक्ति के जागरण के पश्चात व्यक्ति अपनी हथेलियों और सिर के ऊपर शीतल चैतन्य लहरियों का अनुभव करता है। यह अनुभव केवल पढ़ने या सुनने का विषय नहीं, बल्कि स्वयं करके जानने का विषय है।



सहजयोग में ध्यान का उद्देश्य केवल आंखें बंद करके बैठना नहीं, बल्कि विचारों से परे जाकर विचारशून्य अवस्था अर्थात् निर्विचार समाधि का अनुभव करना है। इस अवस्था में मन भूतकाल की स्मृतियों और भविष्य की चिंताओं से मुक्त होकर वर्तमान में स्थिर होने लगता है। नियमित ध्यान से आत्मविश्वास, संतुलन, सहजता और सकारात्मकता विकसित करने में सहायता मिलती है।

सहजयोग की एक महत्वपूर्ण विशेषता हमारे सूक्ष्म तंत्र का ज्ञान है। हमारे भीतर स्थित तीन नाड़ियां—इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना तथा सात चक्र आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन चक्रों के गुणों, उनकी विशेषताओं और संतुलन की विधियों को समझकर हम अपने व्यक्तित्व में निहित सकारात्मक गुणों को विकसित कर सकते हैं। क्षमा, करुणा, प्रेम, संतोष, विनम्रता और निर्भयता जैसे सद्गुण सहज ही हमारे स्वभाव का हिस्सा बनने लगते हैं। आज विश्व के अनेक देशों में सहजयोग ध्यान का अभ्यास किया जा रहा है। इसकी विशेषता है कि यह किसी जाति, धर्म, भाषा, आयु या आर्थिक स्थिति का भेदभाव नहीं करता। सहजयोग सीखने के लिए न कोई शुल्क देना होता है, न किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता की आवश्यकता है। यह ज्ञान पूर्णतः निःशुल्क है और प्रत्येक जिज्ञासु के लिए उपलब्ध है। सहजयोग केंद्र केवल ध्यान सीखने का स्थान नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति, सामूहिक ध्यान और आध्यात्मिक ज्ञान को गहराई से समझने का माध्यम हैं। यहां अनुभवी सहजयोगियों के मार्गदर्शन में ध्यान की विभिन्न विधियां, चक्रों का ज्ञान और आत्मसाक्षात्कार के अनुभव को अधिक गहराई से समझने का अवसर मिलता है। तो आइए, परमात्मा को बाहर खोजने के साथ-साथ अपने भीतर भी जानने का प्रयास करें। अपने जीवन को तनाव, अहंकार और नकारात्मकता से मुक्त कर आत्मिक आनंद की दिशा में एक कदम बढ़ाएं। सहजयोग ध्यान की सबसे सुंदर विशेषता यही है कि यह सहज है, सरल है और पूर्णतः निःशुल्क है। इसे सीखने के लिए केवल एक सच्चे जिज्ञासु हृदय की आवश्यकता है। आज ही अपने निकटतम सहजयोग ध्यान केंद्र से जुड़ें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: टोल फ्री नंबर : 1800 2700 800 वेबसाइट : www.sahajayoga.org.in

मीट दुकानों और पॉलिथीन विक्रेताओं पर नगर निगम का शिकंजा, 32,750 रुपए की चालानी कार्रवाई

राजेश धाकड़

8 मीट दुकानों पर गंदगी मिलने पर कार्रवाई, भारती प्लास्टिक शॉप से 40 किलो पॉलिथीन जब्त; दोबारा नियम तोड़ने पर दुकान सील करने की चेतावनी इंदौर। शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने और प्रतिबंधित पॉलिथीन के विक्रय पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। आयुक्त एवं अपर आयुक्त के निर्देशानुसार शहर में मीट दुकानों पर गंदगी पाए जाने और प्रतिबंधित पॉलिथीन का विक्रय करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में स्वास्थ्य अधिकारी गौतम भाटिया ने जोन क्रमांक 01 के वार्ड क्रमांक 07 अंतर्गत सुभाष मार्ग पर निरीक्षण किया। इस दौरान कई मीट दुकानों पर गंदगी मिलने पर सहायक सीएसआई भारत करोसिया एवं मीट प्रभारी राजेश पथरोड़ को संबंधित दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। टीम ने अलग-अलग 8 मीट शॉप विक्रेताओं को फटकार लगाते हुए कुल 12,750 रुपए की चालानी कार्रवाई की। स्वास्थ्य अधिकारी गौतम भाटिया ने दुकानदारों को स्पष्ट हिदायत दी कि मीट दुकानों पर साफ-सफाई रखना अनिवार्य है। दुकानों पर पर्दा लगाकर ही मीट का विक्रय किया जाए। खुले में मीट बेचने अथवा दोबारा गंदगी पाए जाने पर संबंधित दुकान को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इसी कार्रवाई के दौरान मल्हारगंज स्थित भारती प्लास्टिक शॉप का भी निरीक्षण किया



गया। जांच में प्रतिबंधित पॉलिथीन का विक्रय होना पाया गया। इस पर स्वास्थ्य अधिकारी ने सहायक सीएसआई भारत करोसिया को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर निगम की टीम ने दुकान से लगभग 40 किलोग्राम पॉलिथीन जब्त की और संबंधित दुकानदार पर 20 हजार रुपए का चालान बनाया। नगर निगम अधिकारियों ने दुकानदारों को समझाइश देते हुए प्रतिबंधित पॉलिथीन का विक्रय नहीं करने और स्वच्छता नियमों का पालन करने की हिदायत दी। निगम की इस कार्रवाई में मीट दुकानों एवं पॉलिथीन विक्रेता पर कुल 32,750 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर की स्वच्छता और स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सच की रफ्तार पर पांच करोड़ का मानहानि मुकदमा, पत्रकार संगठन ने जताया विरोध

खोजी पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर उठे सवाल, भारतीय पत्रकार संघ BPS ने दी देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली - जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने वाले स्वतंत्र पत्रकारों के सामने कानूनी चुनौतियों का मामला एक बार फिर चर्चा में है। 'सच की रफ्तार' समाचार पत्र एवं समाचार चैनल के मुख्य संपादक और भारतीय पत्रकार संघ BPS के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर जारवाल के खिलाफ पीएसटी जेम्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दिल्ली उच्च न्यायालय में पांच करोड़ रुपये का मानहानि मुकदमा दायर किए जाने पर पत्रकार संगठन ने कड़ा विरोध जताया है।

मामले की शुरुआत कंपनी के उत्पादों को लेकर उठाए गए सवालों से जुड़ी बताई जा रही है। आरोप है कि अधिवक्ता मोहित की ओर से औषधि विभाग में शिकायत की गई थी कि कंपनी द्वारा टाडालाफिल नामक एलोपैथिक दवा को आयुर्वेदिक उत्पाद के रूप में बेचा जा रहा है।

इस शिकायत और उत्पाद से जुड़ी कथित



अनियमितताओं के मुद्दे पर 'सच की रफ्तार' सहित अन्य समाचार माध्यमों पर खबरें प्रसारित की गईं। समाचार संस्थान का दावा है कि खबरें प्रसारित होने के बाद यूट्यूब पर उसके चैनल के खिलाफ 14 से अधिक कॉपीराइट शिकायतें दर्ज कराई गईं। संस्थान के अनुसार बाद में ये शिकायतें हटा दी गईं और संबंधित वीडियो दोबारा उपलब्ध हो गए। इसके बाद कंपनी की ओर से दिल्ली उच्च न्यायालय में पांच करोड़ रुपये के मानहानि हर्जाने का दावा दायर किया गया।

इस मामले को लेकर भारतीय पत्रकार संघ BPS ने कड़ी नाराजगी जताई है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रंजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि सीमित संसाधनों में काम करने वाला पत्रकार जनता की समस्याओं और जनहित के मुद्दों को सामने लाता है। यदि पत्रकारों को मुकदमों के माध्यम से डराने और दबाव में लेने का प्रयास किया जाएगा तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है।

संघ के राष्ट्रीय संगठन सचिव यतेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से पत्रकारों की आवाज दबाने का प्रयास निंदनीय है राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोपाल गावंडे ने कहा कि पत्रकारों को निष्पक्ष रिपोर्टिंग के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए वहीं, संगठन के संस्थापक बलराम मिश्र ने कहा कि पत्रकारों के उत्पीड़न की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बन रही हैं और किसी मुकदमे से पत्रकारों की आवाज को खामोश नहीं किया जा सकता। भारतीय पत्रकार संघ BPS ने स्पष्ट किया है कि संगठन इस मामले को कानूनी और सामाजिक स्तर पर उठाएगा। साथ ही पत्रकारों की स्वतंत्रता पर इस प्रकार के हमले जारी रहने पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। फिलहाल मामला दिल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन बताया गया है। ऐसे में न्यायालय के फैसले पर सभी की निगाहें टिकी हैं। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर सवाल खड़ा किया है कि क्या बड़े आर्थिक दावों के जरिए स्वतंत्र पत्रकारिता पर दबाव बनाया जा सकता है? लोकतंत्र में पत्रकारिता की स्वतंत्रता और किसी की प्रतिष्ठा की रक्षा, दोनों का सम्मान जरूरी है।

क्यों तुलसी विवाह के बाद शुरू होते हैं शादी-विवाह?

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

देवउठनी एकादशी के बाद तुलसी विवाह को मांगलिक कार्यों की शुरुआत से जोड़कर देखा जाता है। 21 नवंबर 2026 को तुलसी विवाह मनाया जाएगा। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं।

इस दौरान विवाह जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु के जागने के बाद मांगलिक कार्यों के लिए शुभ समय की शुरुआत मानी जाती है। इसके अगले दिन तुलसी विवाह की परंपरा



निभाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन माता तुलसी और भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप का विवाह कराया जाता है। धार्मिक कथाओं में तुलसी को भगवान विष्णु की प्रिय और पवित्र स्वरूप माना गया है। इसी वजह से तुलसी विवाह के बाद विवाह, गृह प्रवेश और अन्य शुभ कार्य शुरू करने की परंपरा कई क्षेत्रों में प्रचलित है। हालांकि विवाह की वास्तविक तिथि और शुभ मुहूर्त पंचांग तथा स्थानीय परंपरा के अनुसार तय किए जाते हैं।

गुड़ से देसी घी तक, सर्दियों की तैयारी अभी से

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

मौसम बदलते ही शरीर पर असर पड़ने लगता है। खान-पान में थोड़े बदलाव से सर्दियों में शरीर को ऊर्जा और जरूरी पोषण मिल सकता है।

सर्दियों की शुरुआत से ही खाने में गुड़, तिल, मूंगफली, बाजरा, ज्वार और सूखे मेवे शामिल किए जा सकते हैं। गुड़ और तिल शरीर को ऊर्जा देने के साथ ठंड के मौसम में पारंपरिक रूप से खूब खाए जाते हैं।

दूध या भोजन में सीमित मात्रा में देसी घी शामिल करना भी उपयोगी हो सकता है। इसके अलावा आंवला, संतरा, अमरूद जैसे फल विटामिन-सी के अच्छे स्रोत हैं और संतुलित आहार का हिस्सा बन सकते हैं। अदरक, हल्दी



और लहसुन जैसे मसालों का इस्तेमाल भी भोजन का स्वाद और पोषण बढ़ाता है। हालांकि किसी एक खाद्य पदार्थ से रोग प्रतिरोधक क्षमता अचानक नहीं बढ़ती। पर्याप्त नींद, नियमित शारीरिक गतिविधि, पानी और संतुलित आहार भी उतने ही जरूरी हैं। मधुमेह या अन्य बीमारी वाले लोग गुड़ और घी की मात्रा डॉक्टर की सलाह के अनुसार रखें।

क्या होता है एनालॉग पनीर?

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

दूध से बने असली पनीर और एनालॉग पनीर में फर्क समझना जरूरी है, क्योंकि दोनों की गुणवत्ता और पोषण अलग हो सकता है। एनालॉग पनीर ऐसे उत्पाद को कहा जाता है जिसमें दूध के ठोस पदार्थों की जगह या उनके साथ वनस्पति वसा, स्टार्च, प्रोटीन और दूसरे घटकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसका स्वाद और बनावट पनीर जैसी बनाई जाती है, लेकिन इसकी संरचना पारंपरिक दूध से बने पनीर से अलग होती है। ऐसे उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के आधार पर पोषण गुणवत्ता बदल सकती है। अधिक वसा या नमक वाला उत्पाद नियमित और ज्यादा मात्रा में खाने



पर संतुलित आहार के लिए ठीक नहीं माना जाता। वहीं, इसे सीधे जहरीला या हर व्यक्ति के लिए नुकसानदायक कहना भी सही नहीं है। खरीदते समय पैकेट पर खाद्य सामग्री, दूध वसा, वनस्पति वसा, प्रोटीन और नमक की मात्रा जरूर देखें। खुले में बिकने वाले पनीर की जगह विश्वसनीय स्रोत से उत्पाद लेना बेहतर है।

कटे सेब का रंग क्यों पड़ता है भूरा?

कटने के बाद सेब का भूरा होना आम प्रक्रिया है, लेकिन क्या इससे उसके पोषक तत्व भी खत्म हो जाते हैं?



रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

सेब को काटते ही उसके अंदर का हिस्सा हवा के संपर्क में आता है। इसमें मौजूद एक एंजाइम ऑक्सीजन के साथ प्रतिक्रिया करता है, जिससे सेब की सतह पर भूरे रंग के यौगिक बनने लगते हैं।

इसे ऑक्सीकरण की प्रक्रिया कहा जाता है। यह बदलाव सेब के खराब होने का सीधा संकेत नहीं है और सामान्य तौर पर भूरा हुआ सेब खाना सुरक्षित होता है। हालांकि, कटे सेब को लंबे समय तक खुला छोड़ने पर स्वाद, ताजगी और कुछ पोषक तत्वों में कमी आ सकती है। खासकर हवा और प्रकाश के लंबे संपर्क से विटामिन-सी जैसे संवेदनशील पोषक तत्व प्रभावित हो सकते हैं।

सेब को भूरा होने से बचाने के लिए कटे टुकड़ों पर थोड़ा नींबू का रस लगाया जा सकता है या उन्हें कुछ समय के लिए बंद डिब्बे में रखकर ठंडा किया जा सकता है।

प्रदूषण से बाल भी हो रहे हैं बेजान



रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

धूल-धुएं का असर सिर्फ फेफड़ों और आंखों तक सीमित नहीं, सिर की त्वचा और बाल भी इसकी चपेट में आते हैं।

वायु प्रदूषण में मौजूद धूल, धुआं और महीन कण बालों और सिर की त्वचा पर जमकर रूखापन, खुजली और जलन पैदा कर सकते हैं। लगातार प्रदूषण के संपर्क में रहने से बालों की चमक कम होने के साथ वे कमजोर और बेजान भी नजर आ सकते हैं।

बालों को प्रदूषण से बचाने के लिए बाहर निकलते समय सिर को स्कार्फ या साफ कपड़े से ढकें। घर लौटने के बाद सिर की त्वचा और बालों को अच्छी तरह साफ करें। बहुत गर्म पानी से बाल न धोएं और जरूरत के अनुसार हल्का शैम्पू इस्तेमाल करें। बालों में नमी बनाए रखने के लिए कंडीशनर भी उपयोगी है।यदि सिर में लगातार खुजली, लालिमा, ज्यादा रूखापन या असामान्य रूप से बाल झड़ने की समस्या हो, तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है।

बच्चों के फ्यूचर के लिए कहां करें निवेश?

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए निवेश करना हर माता-पिता की प्राथमिकता होती है। आज के समय में स्कूल की फीस से लेकर उच्च शिक्षा और विदेश में पढ़ाई तक का खर्च तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में अगर बच्चे के जन्म के साथ ही छोटी रकम से निवेश शुरू कर दिया जाए, तो आने वाले 15 से 18 साल में अच्छी-खासी बचत तैयार की जा सकती है। इसके लिए पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF), सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) और म्यूचुअल फंड तीन लोकप्रिय विकल्प हैं। इन तीनों में निवेश का तरीका, मिलने वाला रिटर्न, जोखिम और पैसा निकालने के नियम अलग-अलग हैं। ऐसे में निवेश शुरू करने से पहले इनके फायदे और सीमाओं को समझना जरूरी है।

हर महीने 3,000 जमा करने पर कितना बनेगा फंड?

मान लीजिए कोई माता-पिता अपने बच्चे के भविष्य के लिए हर महीने 3,000 रुपये निवेश करते हैं और लगातार 15 साल तक इस निवेश को जारी रखते हैं। इस हिसाब से सालाना निवेश 36,000 रुपये और 15 साल में कुल जमा राशि 5.40 लाख रुपये होगी। अब सवाल है कि अलग-अलग निवेश विकल्पों में यह रकम बढ़कर कितनी हो सकती है? इसका जवाब संबंधित योजना की ब्याज दर और निवेश पर मिलने वाले रिटर्न पर निर्भर करेगा।

PPF में निवेश करने पर मिल सकता है करीब 9.6 लाख रुपये

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी PPF उन माता-पिता के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है, जो सुरक्षित निवेश के साथ लंबे समय में फंड तैयार करना चाहते हैं। अक्टूबर-दिसंबर 2026 की तिमाही के लिए सरकार ने पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज दर तय की है। इसमें ब्याज सालाना चक्रवृद्धि आधार पर मिलता है। अगर कोई व्यक्ति हर महीने 3,000 रुपये जमा करता है, तो 15 साल में उसका कुल निवेश 5.40 लाख रुपये होगा। मौजूदा ब्याज दर को पूरे 15 साल तक स्थिर मानकर किए गए अनुमान के अनुसार, मैच्योरिटी पर करीब 9.5 से 9.7 लाख रुपये का फंड बन सकता है। हालांकि ब्याज दरों में बदलाव होने पर अंतिम रकम भी बदल जाएगी। पीपीएफ की खासियत यह है कि यह सरकारी समर्थित योजना है और इसमें मिलने वाला ब्याज तथा मैच्योरिटी की रकम टैक्स के लिहाज से भी आकर्षक है।

सुकन्या समृद्धि योजना में मिल सकता है ज्यादा ब्याज

अगर आपके घर में बेटी है और आप उसके भविष्य के लिए निवेश करना चाहते हैं, तो सुकन्या समृद्धि योजना एक अच्छा विकल्प हो सकती है। अक्टूबर-दिसंबर 2026 की तिमाही में इस योजना पर 8.2 प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है।

2 बीएचके से 1,000 करोड़ तक

आईआईटी की पढ़ाई के बाद कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ी, घर से शुरू किया घी-तेल का कारोबार; आज कंपनी करोड़ों के कारोबार की ओर

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

बेंगलुरु में आरामदायक कॉर्पोरेट नौकरी करने वाले एक आईआईटी स्नातक ने जब नौकरी छोड़कर अपना कारोबार शुरू करने का फैसला किया, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह छोटा कदम बड़े कारोबार में बदल जाएगा।



उन्होंने महज 2 बीएचके फ्लैट से घी और तेल बेचने का काम शुरू किया। शुरुआत सीमित संसाधनों से हुई, लेकिन ग्राहकों की बदलती पसंद और शुद्ध खाद्य उत्पादों की बढ़ती मांग को समझते हुए कारोबार का विस्तार किया गया। धीरे-धीरे कंपनी ने अपने उत्पादों की संख्या और बाजार पहुंच बढ़ाई। ऑनलाइन बिक्री के साथ दूसरे माध्यमों से भी कारोबार का विस्तार हुआ और कंपनी आज करीब 1,000 करोड़ रुपये के मूल्यांकन या कारोबार के स्तर तक पहुंचने की दिशा में बताई जा रही है। यह कहानी दिखाती है कि बड़े कारोबार की शुरुआत हमेशा बड़े निवेश या बड़े कार्यालय से नहीं होती।

TVS में फिर घमासान

बेटी लक्ष्मी वेणु ने पिता वेणु श्रीनिवासन से मांगा संपत्ति में बंटवारा, मामला अदालत तक पहुंचने के संकेत



रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

TVS समूह के श्रीनिवासन परिवार में संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद गहराता दिख रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, वेणु श्रीनिवासन की बेटी लक्ष्मी वेणु ने पारिवारिक संपत्तियों के विभाजन की मांग उठाई है। इस विवाद के अदालत तक पहुंचने की संभावना भी जताई जा रही है। TVS समूह देश के बड़े कारोबारी परिवारों में गिना जाता है और इसके कारोबार की कई शाखाएं अलग-अलग पारिवारिक सदस्यों के पास हैं। ऐसे में संपत्ति और कारोबारी हिस्सेदारी का बंटवारा बेहद संवेदनशील मामला माना जा रहा है। विवाद सामने आने के बाद अब नजर इस बात पर है कि परिवार आपसी सहमति से समाधान निकालता है या मामला कानूनी लड़ाई में बदलता है। यदि मामला अदालत पहुंचता है तो संपत्ति, हिस्सेदारी और पारिवारिक समझौतों से जुड़े कई पहलू सामने आ सकते हैं।

26 नवंबर से पहले RBI का झटका?

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

टाटा संस की बोर्ड बैठक से पहले आरबीआई की चिट्ठी ने बढ़ाया दबाव, नोएल टाटा के सामने अब लिस्टिंग नियमों की चुनौती। भारतीय रिजर्व बैंक ने 26 नवंबर की प्रस्तावित बोर्ड बैठक से पहले टाटा संस को लिस्टिंग से जुड़े नियमों का पालन करने का निर्देश दिया है।

आरबीआई के इस रुख से टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। टाटा संस को आरबीआई के नियमों के तहत ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ऐसे में कंपनी पर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से जुड़े नियम लागू होते हैं। हालांकि, कंपनी लंबे समय से अपनी स्थिति को लेकर अलग विकल्पों पर विचार करती रही है। अब 26 नवंबर की बोर्ड बैठक से पहले आई आरबीआई की चिट्ठी ने नोएल टाटा के सामने चुनौती बढ़ा दी है। सवाल यही है कि क्या टाटा संस अपनी मौजूदा रणनीति पर कायम रह पाएगी या उसे नियामकीय निर्देशों के आगे लिस्टिंग की दिशा में बढ़ना पड़ेगा?

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 44% का उछाल,

31.97 अरब डॉलर के पार पहुंचा आंकड़ा

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

नई दिल्ली। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग तेजी से वैश्विक बाजार में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। देश से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 44 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ 31.97 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 22.20 अरब डॉलर था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, स्मार्टफोन के साथ-साथ अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बढ़ती मांग ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में भारत की क्षमता बढ़ रही है, लेकिन कई महत्वपूर्ण छोटे पुर्जों और कंपोनेंट्स के लिए अब भी विदेशों पर निर्भरता बनी हुई है।

स्मार्टफोन निर्यात बना सबसे बड़ी ताकत

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में स्मार्टफोन की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा बनी हुई है। अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान स्मार्टफोन का निर्यात 35.8 प्रतिशत बढ़कर 18.17 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 13.38 अरब डॉलर था। इससे साफ है कि वैश्विक कंपनियां भारत को स्मार्टफोन निर्माण और निर्यात के बड़े केंद्र के रूप में विकसित कर रही हैं। हालांकि, कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 60.3 प्रतिशत से घटकर 56.8 प्रतिशत रह गई है। इसकी मुख्य वजह दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में तेजी से हुई बढ़ोतरी है। यानी भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री अब केवल मोबाइल फोन के सहारे आगे नहीं बढ़ रही, बल्कि दूसरे उत्पादों में भी अपनी पकड़ मजबूत कर रही है।

'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' के विमोचन में अखिलेश यादव से लेकर थलपति विजय तक कई प्रमुख चेहरे नजर आए

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' के विमोचन का कार्यक्रम राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा का विषय रहा। कार्यक्रम में विपक्ष के कई प्रमुख नेता और सार्वजनिक जीवन से जुड़े चेहरे शामिल हुए।

इस मौके पर सोनिया गांधी ने अपने जीवन से जुड़े कई अनुभव और अनसुने किस्से साझा किए। किताब में उनके निजी जीवन, परिवार, राजनीति



में सफर और भारत से उनके जुड़ाव के कई पहलुओं को जगह दी गई है। कार्यक्रम में अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी नेता नजर आए। तमिल अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख थलपति विजय की मौजूदगी ने भी लोगों का ध्यान खींचा। किताब के विमोचन के दौरान नेताओं की मुलाकात और मंच से जुड़े दृश्य सोशल मीडिया पर भी चर्चा में रहे। आयोजन ने एक बार फिर विपक्षी नेताओं की एकजुट मौजूदगी को सुर्खियों में ला दिया।

प्रदूषण पर शिवराज का दो टूक बयान

किसानों को कटघरे में खड़ा करना गलत, प्रदूषण के लिए कई कारण जिम्मेदार



दिल्ली के बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के बचाव में बड़ा बयान दिया है। पंजाब के लुधियाना में उन्होंने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण के लिए किसानों को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि पराली जलाने को प्रदूषण का एकमात्र कारण बताना सही तस्वीर नहीं पेश करता। शिवराज के बयान से दिल्ली के प्रदूषण पर चल रही सियासी बहस फिर तेज हो सकती है। हर साल सर्दियों में दिल्ली-एनसीआर की हवा जहरीली होने के साथ ही पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने का मुद्दा राजनीतिक बहस के केंद्र में आ जाता है। किसानों का तर्क है कि पराली प्रबंधन की पर्याप्त व्यवस्था और आर्थिक मदद के बिना उन्हें दोषी ठहराना आसान रास्ता है। वहीं प्रदूषण विशेषज्ञ लंबे समय से वाहनों, निर्माण कार्य, औद्योगिक उत्सर्जन और मौसम संबंधी परिस्थितियों को भी प्रदूषण बढ़ने के प्रमुख कारणों में गिनाते रहे हैं।

रोहित पवार के आरोपों पर सत्यजीत तांबे का पलटवार, बोले- राजनीति में मर्यादा जरूरी

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

अजित पवार विमान हादसे पर आरोपों से महाराष्ट्र की सियासत गरमाई, तांबे ने कहा-बिना ठोस आधार फडणवीस को जोड़ना गलत



अजित पवार की विमान दुर्घटना को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर विमान संचालक कंपनी वीएसआर वेंचर्स के मालिक वी.के. सिंह को बचाने का आरोप लगाया था।

हालांकि रोहित पवार ने साफ किया कि वे फडणवीस पर हादसा कराने या साजिश में शामिल होने का आरोप नहीं लगा रहे हैं। अब निर्दलीय विधान परिषद सदस्य सत्यजीत तांबे ने रोहित पवार को घेरा है। तांबे ने कहा कि बिना ठोस आधार किसी दुखद हादसे को फडणवीस से जोड़ना गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने रोहित को सलाह दी कि राजनीतिक महत्वाकांक्षा स्वाभाविक है, लेकिन उसके लिए राजनीतिक और व्यक्तिगत सीमाएं नहीं लांघनी चाहिए। तांबे ने कहा कि सार्वजनिक बयान देने से पहले मुद्दे की गंभीरता, समय और संभावित परिणामों पर विचार होना चाहिए। उनका सीधा संदेश था—राजनीति में जल्दबाजी नहीं, संयम, अध्ययन और निरंतरता काम आती है। उधर फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर विमान हादसे की जांच जल्द पूरी कराने और रिपोर्ट जारी करने की मांग की है।

नीतीश सेतु पर तेज प्रताप का मोर्चा, बोले- सब लालू की राजनीतिक फैक्ट्री की उपज

पीएम मोदी के उद्घाटन से पहले नामकरण पर सियासत तेज, तेज प्रताप ने पुल का नाम लालू यादव के नाम पर रखने की मांग की

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

बिहार में कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन पुल के नामकरण को लेकर सियासत तेज हो गई है। करीब 19.76 किलोमीटर लंबे इस पुल को राज्य सरकार ने 'नीतीश सेतु' नाम दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को इसका उद्घाटन करेंगे। परियोजना की लागत करीब 4,988 करोड़ रुपये बताई गई है। अब जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने नामकरण को लेकर मोर्चा खोल



दिया है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव पूरे देश के जननेता हैं और मौजूदा राजनीतिक चेहरे उसी राजनीतिक धारा की उपज हैं। तेज प्रताप ने मांग की कि पुल का नाम उनके पिता लालू प्रसाद यादव के नाम पर रखा जाना चाहिए। दिलचस्प यह है कि इस पुल के श्रेय को लेकर पहले से ही भाजपा-जदयू और राजद आमने-सामने हैं।

नीतीश समर्थक इसे नीतीश कुमार की पहल और लंबी राजनीतिक मेहनत का परिणाम बता रहे हैं, जबकि राजद नेता अपने शासनकाल और निर्माण प्रक्रिया में अपनी भूमिका गिना रहे हैं।

अब पुल तैयार है, उद्घाटन होने वाला है, लेकिन बिहार में असली लड़ाई पुल पर चलने वाले वाहनों की नहीं, उसके नाम पर मिलने वाले राजनीतिक श्रेय की है।

इंदौर में 10 करोड़ की रंगदारी

विदेशी नंबरों से धमकी, गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम पर कारोबारी को डराने की कोशिश



रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

इंदौर के लसूड़िया क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट कारोबारी से कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा गिरोह के नाम पर 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

देवास नाका क्षेत्र में कारोबार करने वाले कारोबारी को लगातार चार दिन तक विदेशी नंबरों से फोन और आवाज संदेश भेजे गए। कॉलर ने खुद को सागर सिंह शेखावत बताते हुए गोदारा गिरोह से जुड़ा होने का दावा किया। रकम नहीं देने और पुलिस से शिकायत करने पर कारोबारी को घर से उठाने तथा गोली मारने की धमकी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंदौर अपराध शाखा ने प्रकरण दर्ज कर विशेष जांच दल गठित किया है। पुलिस विदेशी नंबरों की पड़ताल के साथ आवाज संदेशों की वैज्ञानिक जांच करा रही है।

अब सबसे बड़ा सवाल

यह है कि धमकी के पीछे वास्तव में कोई अंतरराष्ट्रीय गिरोह है या फिर इंदौर में बैठा कोई व्यक्ति बड़े गैंगस्टर का नाम लेकर वसूली का खेल चला रहा है। कारोबारी की निजी जानकारी आरोपियों तक कैसे पहुंची, यह भी जांच का अहम बिंदु है।

निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया पर मुकदमे का रास्ता साफ



रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज की, अब निचली अदालत में चलेगा आपराधिक प्रकरण

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने कटनी की निलंबित नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। फैसले के बाद अब उनके खिलाफ निचली अदालत में आपराधिक मुकदमा चलने का रास्ता साफ हो गया है। मामले में पच्चीसिया की ओर से एफआईआर को चुनौती देते हुए अदालत से राहत मांगी गई थी। हालांकि हाईकोर्ट ने उपलब्ध तथ्यों और मामले की परिस्थितियों को देखते हुए एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया। इस फैसले के बाद अब प्रकरण की आगे की कानूनी कार्रवाई निचली अदालत में होगी। हाईकोर्ट के निर्णय से यह भी स्पष्ट है कि इस स्तर पर आरोपी पक्ष को एफआईआर से राहत नहीं मिली है। अब मुकदमे की अगली प्रक्रिया और निचली अदालत में होने वाली सुनवाई पर निगाह रहेगी।

जज बोले- मर्सिडीज से आते हैं!

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

मद्रास हाईकोर्ट में कम्युनिस्ट सांसद सु. वेंकटेशन की टिप्पणी पर नाराजगी, महंगी कार और जीवनशैली को लेकर जज ने उठाए सवाल।

मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस जीआर स्वामीनाथन ने कम्युनिस्ट सांसद सु. वेंकटेशन की ओर से की गई टिप्पणी पर नाराजगी जताई। अदालत में जज ने सांसद की महंगी मर्सिडीज-बेंज कार, ब्रांडेड कपड़ों और प्रथम श्रेणी वातानुकूलित रेल यात्रा का



जिक्र किया। जज ने कहा कि सांसद मर्सिडीज से आते हैं और उन्हें न्याय का पाठ पढ़ा रहे हैं। उन्होंने अपनी यात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि वह स्वयं स्लीपर श्रेणी में सफर करते हैं, जबकि सांसद प्रथम श्रेणी में यात्रा कर रहे थे। मामला कथित तौर पर एक पुस्तकालय में फर्जी किताबों की खरीद से जुड़े विवाद से सामने आया। सांसद ने अदालत की टिप्पणी की आलोचना की थी, जिसके बाद सुनवाई के दौरान न्यायाधीश और सांसद के बीच यह विवाद चर्चा में आ गया। मामले में अब सवाल सिर्फ कथित फर्जी किताबों की खरीद का नहीं, बल्कि सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति की टिप्पणी और न्यायपालिका की प्रतिक्रिया को लेकर भी बहस तेज हो गई है।

सेनाओं पर जासूसी का नया जाल

वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने चेताया, हनी ट्रैप से आगे साइबर जासूसी और अंदरूनी खतरे भी बड़ी चुनौती।

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने रक्षा क्षेत्र में बढ़ते जासूसी के खतरों को लेकर अहम जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि अब जासूसी का दायरा पारंपरिक हनी ट्रैप तक सीमित नहीं है। साइबर माध्यमों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने रक्षा उद्योग से जुड़े संस्थानों और कर्मियों को सतर्क रहने की जरूरत बताई। साइबर हमलों के अलावा अंदरूनी खतरे भी संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन रहे हैं। रक्षा क्षेत्र में तकनीक पर बढ़ती निर्भरता के साथ संवेदनशील आंकड़ों और प्रणालियों को निशाना बनाने के प्रयास भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में कर्मचारियों की जागरूकता, साइबर सुरक्षा और गोपनीय सूचनाओं की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। वायुसेना प्रमुख का संदेश साफ है—जंग अब सिर्फ सीमा पर नहीं, बल्कि डिजिटल दुनिया में भी लड़ी जा रही है।



37 साल बाद फैसला: दूसरे पुरुष संग रहना संपत्ति अधिकार खत्म नहीं करता

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 37 साल पुराने संपत्ति विवाद में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि पति की मृत्यु के बाद किसी दूसरे पुरुष के साथ रहने मात्र से विधवा महिला का पहले पति की संपत्ति पर उत्तराधिकार समाप्त नहीं हो जाता। सतना से जुड़े इस मामले में अदालत



ने निचली अदालतों के फैसलों को बरकरार रखा। अदालत ने माना कि केवल किसी अन्य पुरुष के साथ रहने के आधार पर महिला को पहले पति की संपत्ति से मिले कानूनी अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। फैसले ने लंबे समय से चले आ रहे विवाद पर विराम लगाते हुए विधवा के संपत्ति अधिकार को लेकर महत्वपूर्ण कानूनी स्थिति स्पष्ट की है।